

सुनीलश्री पाठ्यरी  
उप संधित  
उत्तराखण्ड शासन।

रोमा में

गढ़निदेशक  
चिकित्सा स्थान्त्रय पथ परिवार कल्याण  
उत्तराखण्ड, ऐहरालून।

विवित्ता अनुभाग-८

देहशब्द: विनाकि 12 जनवरी 2010

विषय-वित्तीय वर्ष 2009-10 में प्रथम अनुपूरक भाग द्वारा रवीकृत अनुदान संख्या-12 में बदलबद्ध नदी ऐहर आवेदन के सम्बन्ध में।

महाराजा

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या ५४/१/२५/२००९/४८००६ दिनांक ३०.१२.०९ के सन्दर्भ  
में एवं उत्तराखण्ड राज्य ०५/XXVIII(4)/2010 दिनांक ०७.०१.२०१० वो ग्राम में मुझे यह कहने का  
निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष २००९-१० में प्रथम अनुपूरक भाग द्वारा रवीकृत बनराजि में से  
आवाजानकार सद ने बदलबद्ध नदी ऐहर ललमक विवरणानुसार अनुदान सं०-१२ के अन्तर्गत  
नावीकरणत नदी में रु० २१०३८६ रुजार (लघु इक्कीस करोड़ चिराम्य लाख छियारी रुजार मात्र)  
की बनराजि निम्नलिखित प्रतिवर्ती के अधीन अद्युक्त करते हुये आपके निवारन पर इसके की ओर  
राज्याल महीदय सही रवीकृति प्रदान करते हैं :-

१. अनुपूरक की जा रही बनराजि का व्यय उसी गद में किया जायेगा, जिसके लिये यह  
रवीकृति की जा रही है।
२. जैपल, २००९ से नये पदों के गरे जाने के कलत्तरालप होने वाले व्यय के सापेक्ष भेणीजार पदों  
(पूर्ण क, छ, व एवं घ) की रुपना विभाग द्वारा रखी जायेगी, जिससे वित्तीय वर्ष की  
अन्तर्गत विभागवार भेणीजार भरे जाने वाले पदों द्वारा इसके सापेक्ष होने वाले व्यय की  
जानकारी प्राप्त हो सके।
३. व्यय नहीं के पूर्ण जिन मामलों में बड़ट वैनुभल, वित्तीय हस्त पुरितका के नियमों तथा अन्य  
स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अधिकार अन्य लक्षण प्राप्तिकारी की रवीकृति की  
आपैद्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले एसी रवीकृति अद्यश्य प्राप्त कर ली जाय।

४. निति किंमाग के शासनादेश सं०-२०५ / XXVII(1) / २००९ दिनांक ३६ मार्च, २००९ में निहित निदेश का अनुसालत करना सुनिश्चित किया जायेगा।
५. निति वीजनाओं में विश्व वर्ष की प्रतिष्ठात्री प्राप्त लो जानी अवश्य हो उनमें लक्ष्यता अधिकारियों तकलीफ पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। भारत सरकार को समय में आपेक्षित की गई प्रतिष्ठात्री के देवक प्रस्तुत किये जाय, इसके अग्राम में प्रतिष्ठात्री दावों के सुनावने में विवेद / विलम्ब नहीं हो।

परं अतिरिक्त निति किंमाग के शासनादेश सं०४ / XXVII(1) / २०१० दिनांक ०७.०१.२०१० के अनुसालत नहीं किये जा रहे हैं।

राज्यसभा, गोपीनाथ।

अवदीय,  
/  
(सुनीलश्री पाथरी)  
उप सचिव

सं०४ / XXVII(1) / XXVII(1)-५-२०१०-२१२ / २००९ तददिनकी

विभिन्न निमातिजित की सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु ऐप्रित :-

१. निति राजित, ना० पुरुष लक्ष्मी जी।
२. महालंगराखण्ड, उत्तराखण्ड, माजारा देहरादून।
३. अमृतल यत्पाल / कुमाऊ मण्डल, उत्तराखण्ड।
४. रामरत निमातिजितारी, उत्तराखण्ड।
५. निर्देशक योगागर, उत्तराखण्ड देहरादून।
६. निति नियन्त्रक, निकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
७. रामरत मुख्य निकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
८. शपरत वरिष्ठ कौषाधिकारी / कौषाधिकारी उत्तराखण्ड।
९. दजाट राजकोटीद, नियोजन व समाझन निदेशालय, समियालय, देहरादून।
१०. निति (व्यव नियंत्रण) अनु०-३ / नियोजन विभाग / एन०आर०१०।
११. मार्फ फाईल।

सलाम : यशोकत

(सुनीलश्री पाथरी)  
उप सचिव  
८

क्र. सं.	अनुदान संख्या-12 प्रोत्तराधिकार	विवरणीय हजार रुपये में	वार्षिक बज़रगी	
			वार्षिक बज़रगी	वार्षिक बज़रगी
1.	2210-विकिर्सा तथा लौक स्वास्थ्य 01-शहरी क्षेत्र रोगार्थ-प्रबलात्मा विकिर्सा फट्टरि 02-प्रदेशी राधा प्रपालान 03-गुरुभालय अधिकार			
	01-रोग रोग-2210-01-001-03	4000	4000	
2.	110-अस्पताल तथा औषधालय 03-एलोगेशी एकीकृत विकिर्सालय और औषधालय 01-रोग		32000	32000
	रोग-2210-01-110-03	32000	32000	
3.	05-वाय रोग की रक्षालय (कलानिक)		3000	3000
	01-रोग	3000	3000	
	रोग-2210-01-110-05	3000	3000	
4.	10-उच्च न्यायालय में विकिर्सालय की रक्षापत्रा 01-रोग		500	500
	रोग-2210-01-110-10	500	500	
5.	11-संकेत वैकं की रक्षापत्रा 01-रोग 02-महाराष्ट्र भरता		300	265
	रोग-2210-01-110-11	300	265	
6.	14-विद्यालय जैवी में राष्ट्रपत्री औषधालय की रक्षापत्रा 01-रोग 02-महाराष्ट्र भरता 15-रोग-2210-01-110-14		400	62
	16-संप्रदाय में तथा संतानाखण्ड निवास गढ़ दिल्ली में राष्ट्रपत्री औषधालय की रक्षापत्रा 01-रोग 02-महाराष्ट्र भरता		130	9
	रोग-2210-01-110-16	130	9	
7.	18-गुरु विश्वनाथिकारी का लाइफ्सान		152	
	01-रोग 02-महाराष्ट्र भरता		13000	110
	रोग-2210-01-110-18	13000	110	
8.	20-गहानाहिम राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री आवास छठु विकिर्सा व्यवस्था 01-रोग		100	
	रोग-2210-01-110-20	100		
10.	2210-01-200-कन्य रक्षास्थ रोगार्थ 03-उद्देश में जांचेंग जी रोगालय (केन्द्र प्रभित 100 प्रशिक्षित)		2500	
	01-रोग 02-महाराष्ट्र भरता		400	
	रोग-2210-01-200-03	2500	400	

		जारीकित घनराशि
११	१०-प्राचीन राजस्थानी सोवारी-पावरल्य विकिता पद्धति ११-प्राचीन राजस्थानी योग्य १२-प्राचीन राजस्थानी की रथालय	
	१३-प्राचीन	5000
	१४-महाराष्ट्र गोदा	५
	१५-२२१०-०३-१०३-०३	5000
१६	२२१०-०३-१०४-भासुदार्थक स्थापक्य बन्द २-संप्रदायिक रथालय कोन्हारी घी रथापमा	
	१७-प्राचीन	10500
	१८-महाराष्ट्र गोदा	९५०
	१९-२२१०-०३-१०४-०३	19450
१८	२२१०-०३-११०-भासुदार्थक रथा औषधालय ०८-काय दीपा कलान्तर	
	२०-प्राचीन	5400
	२१-महाराष्ट्र ५००	५००
	२२-२२१०-०३-११०-०६	६५८
१९	२२-एलोपीडिक विकित्यालय और औषधालय	
	२३-प्राचीन	12000
	२४-२२१०-०३-११०-०७	12000
२०	२५-२२१०-वर्ष प्रकाशित दोन उत्तु वैकल्पिक विकित्या सुनिधि	
	२६-प्राचीन	१५०
	२७-२२१०-०३-११०-१०	१५०
२१	२८-काय दीपा की रथापमा	
	२९-प्राचीन	५००
	३०-२२१०-०३-११०-११	६००
२२	३१-काय दीपा एलोपीडिक विकित्यालयों की रथापमा	
	३२-प्राचीन	38500
	३३-महाराष्ट्र गोदा	४८
	३४-२२१०-०३-११०-१७	30048
२३	३५-प्राचीन गोदा विकित्यालयों की रथापमा	
	३६-प्राचीन	2800
	३७-महाराष्ट्र ५००	११
	३८-२२१०-०३-११०-१८	2811
२४	३९-२२१०-०३-४००-लक्ष्मी	
	४०-काय दीपा नीरोजालय और असारी प्राचीनक रथालय कोन्हारी का विकास	
	४१-प्राचीन	3000
	४२-महाराष्ट्र गोदा	२५०
	४३-२२१०-०३-४००-०३	3250
२५	४४-२२१०-०३-४००-११	
	४५-विकित्या प्राचीन	
	४६-प्राचीन-०३	
	४७-प्राचीन	747
	४८-२२१०-०३-४००-२३	747

संकेतन संख्या-12

धनराशि हजार का० मे०

क्र. सं.	विवरण	धनराशि प्रयुक्ति धनराशि
21	2210-प्रिकल्प उभा लोक रवासद्य ०३ लोक रवासद्य ००३-प्रशिक्षण ०३-प्रश्नाधीन स्थानस्थ परिवार कल्याण प्रशिक्षण केन्द्र ०१ बैठन ०२ प्रश्नादृष्टि बोग 2210-06-003-03	660 315 1175
22	04-सम्बन्धित ग्रन्थिकान सुन्दर प्रदर्शन केन्द्र ०१ बैठन ०३ नहाइ चाला बोग 2210-06-003-04	119 12 131
23	2210-06-101-रीभी का निवारण तथा विश्वास ०३-लोक रवासद्य ०००२-रवासद्य अधिकारी ०१ बैठन बोग 2210-06-101-03-0302	3200
24	०३०४-प्रत्येका स्वामुख्य पार्षदकान के अन्तर्गत बहरी बोरो मे ग्रन्थिकान को विनाश केतु कार्यवाही शिखिकान ०१ बैठन बोग 2210-06-101-03-0304	10000
25	०५-महामादी निरोधक तियादे ०१ बैठन बोग 2210-06-101-05	4500 4500
26	०५-मातृ एव तियादी कल्याण ०१ बैठन ०३ नहाइ चाला ५५-महामादी तियाद बोग 2210-06-101-05	45000 2500 5 47505
27	०५-पूर्ण शोधिगो वर्षी साहायता ०१ बैठन बोग 2210-06-101-06	3000
28	2210-06-102-आदा जागिक्षण वा निवारण ०३-निराकृत जाम विश्वासके प्रश्नाप्रश्नाओ ०१ बैठन बोग 2210-06-102-03	3000
29	२२१०-०६-१०२-आदा जागिक्षण वा निवारण ०३-निराकृत जाम विश्वासके प्रश्नाप्रश्नाओ ०१ बैठन बोग 2210-06-102-03	1525
30	२२१०-०६-१०२-अधिकारी तियाद ०३-उच्च कानून ०१ बैठन बोग 2210-06-104-03	1525 1000 1000
	नुड बोग	219305

(लघुचे इक्कीस कोड तियानके लाभ छियासी हजार मात्र)

(सुनौलधी पाठरी)

उप लिखित  
६